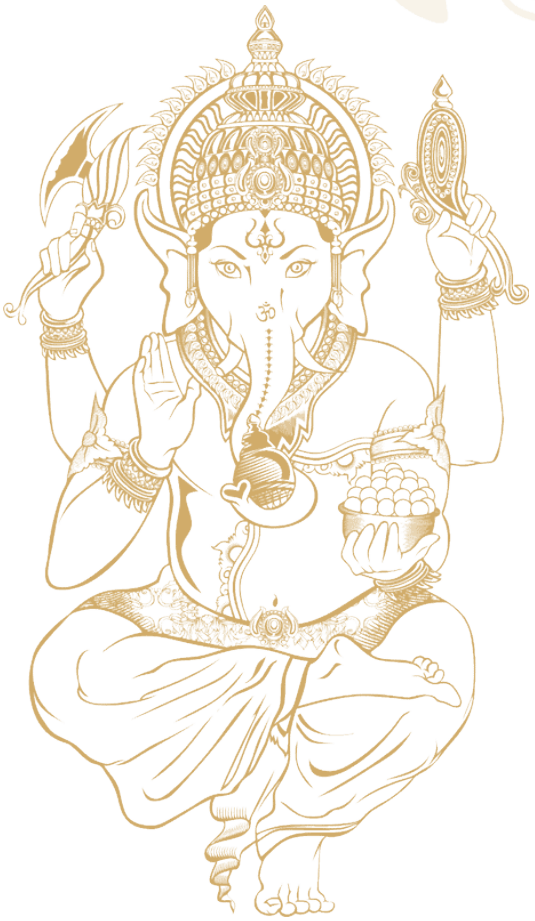

Yash

Nidhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121148202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27-28/12/1997	जन्म तिथि	9-10/11/1999
शनि-रविवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 02:25:00	जन्म समय	00:25:00 घंटे
घटी 49:29:57	जन्म समय(घटी)	45:43:37 घटी
India	देश	India
Korba	स्थान	Bhilai
22:22:00 उत्तर	अक्षांश	21:13:00 उत्तर
82:46:00 पूर्व	रेखांश	81:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:01:04	स्थानिक संस्कार	-00:04:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:37:01	सूर्योदय	06:11:18
17:23:05	सूर्यास्त	17:24:47
23:49:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:03

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 3मा 20दि		15:19:37	तुला	लग्न	सिंह	02:37:05	शनि 8वर्ष 1मा 19दि	
शुक्र		12:19:13	धनु	सूर्य	तुला	23:04:21	केतु	
19/04/2018		19:33:46	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	10:57:22	29/12/2024	
19/04/2038		13:41:32	मक	मंगल	धनु	23:38:02	30/12/2031	
शुक्र	18/08/2021	23:14:36	वृश्चि	बुध व	वृश्चि	06:11:22	केतु	27/05/2025
सूर्य	19/08/2022	27:34:20	मक	गुरु व	मेष	03:51:30	शुक्र	27/07/2026
चन्द्र	18/04/2024	10:05:26	मक व	शुक्र	कन्या	06:52:59	सूर्य	02/12/2026
मंगल	18/06/2025	19:49:34	मीन	शनि व	मेष	19:35:23	चन्द्र	03/07/2027
राहु	18/06/2028	19:11:26	सिंह व	राहु व	कर्क	13:20:41	मंगल	29/11/2027
गुरु	17/02/2031	19:11:26	कुंभ व	केतु व	मक	13:20:41	राहु	17/12/2028
शनि	19/04/2034	13:04:22	मक	हर्ष	मक	19:08:33	गुरु	23/11/2029
बुध	17/02/2037	04:58:00	मक	नेप	मक	07:56:10	शनि	02/01/2031
केतु	19/04/2038	12:47:33	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:36:18	बुध	30/12/2031

लग्न-चलित

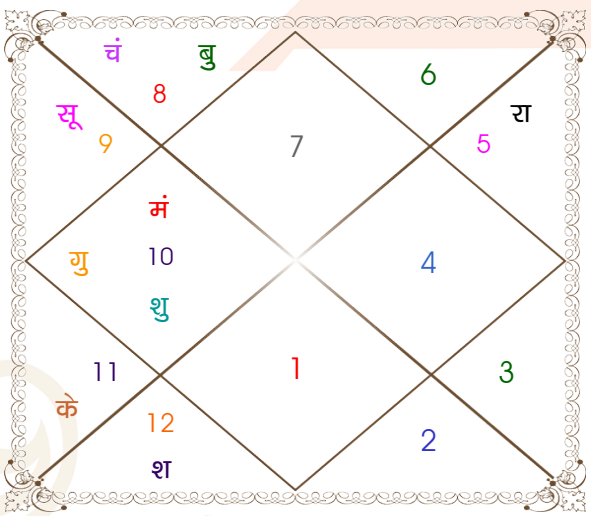

लग्न-चलित

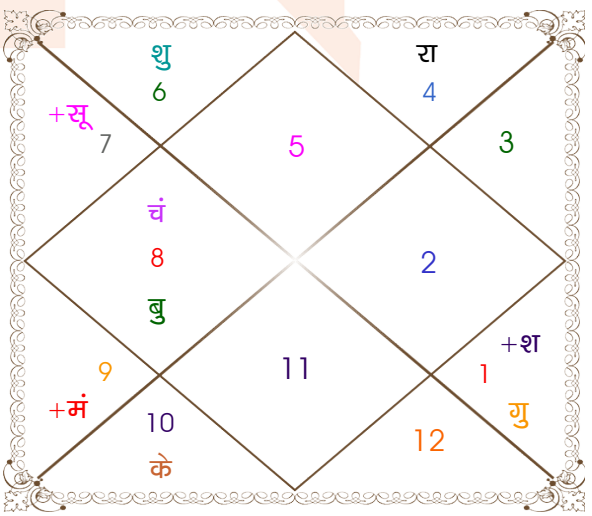

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Yash का वर्ग सर्प है तथा Nidhi का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yash और Nidhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Yash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Yash कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Yash कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Nidhi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Yash तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।